Westley's and MacLean's Communication Model

वेस्ली एवं मैक्लीन का संचार प्रारूप

Dr. Archana Bharti
Guest Faculty, MJMC
Sem-1, Paper- 101
Date- 06/07/2021

वेस्ली एवं मैक्लीन का संचार प्रारूप

- वेस्ली और मैक्लीन (Bruce H. Westley and M.S. MacLean) का संचार प्रारूप न्यूकॉम्ब के मॉडल का एक विस्तार है। इसे **1957** में प्रतिपादित किया गया।
- वेस्ली और मैक्लीन ने न्यूकॉम्ब के प्रतिरूप में असंख्य घटनाओं, विचारों और उद्देश्यों को जोड़ा।

वेस्ली एवं मैक्लीन का संचार प्रारूप

- वेस्ली और मैक्लीन का प्रतिरूप इस धारणा पर आधारित है कि जन संचार में संदेश दर्शकों तक पहुंचने से पहले विभिन्न जांच बिन्दुओं से होकर गुजरता है जिसे ''गेटकीपर'' कहा जाता है।
- 'गेटकीपर' शब्द का प्रयोग मास मीडिया में किया जाता है और यह समाचारों से जुड़ा होता है।

वेस्ली एवं मैक्लीन का संचार प्रारूप

- वेस्ली एवं मैक्लीन का प्रतिरूप मीडिया संगठनों के भीतर 'गेटकीपर' अर्थात जिसे द्वारपाल कहते हैं, इसकी मुख्य भूमिका पर जोर देता है।
- इसमें यह तय किया जाता है कि कौन सा संदेश प्रसारित किया जाना है और उसकी सामग्री अर्थात कंटेन्ट को कैसे संशोधित करना है। इनके मॉडल को हम आगे रेखाचित्र से समझ सकते हैं।

वेस्ली एवं मैक्लीन का संचार प्रारूप

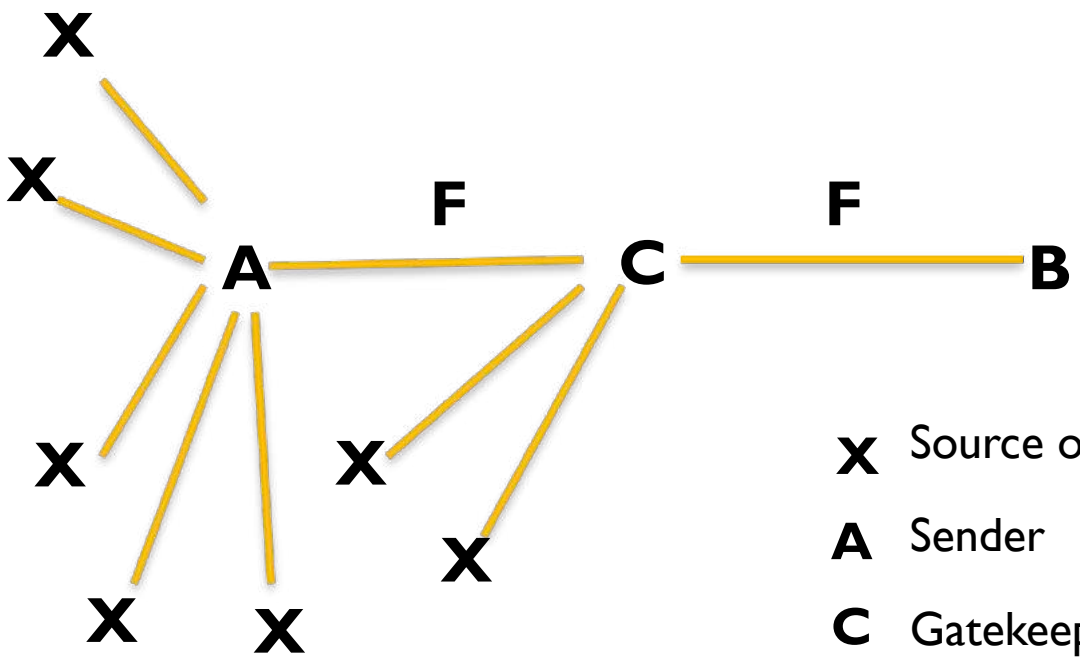

X Source of information

A Sender

C Gatekeeper

B Audience

F Feedback

वेस्ली एवं मैक्लीन का संचार प्रारूप

- रेखाचित्र से स्पष्ट है कि A जो सेंडर है (उदा. रिपोर्टर), जो कई स्त्रोतों (X,X,X,X...X) से संदेश प्राप्त करता है, और उस संदेश और घटनाओं को अपनी धारणा के अनुसार एक रिपोर्ट बनाकर 'गेटकीपर' को भेजता है। यहां C गेटकीपर है, जो संपादकीय कार्य करता है और यह तय करता है कि संदेश क्या प्रेषित किया जाएगा। यह सूचना को चुनता है और उसे स्त्रोत से प्रापक अथवा दर्शकों B तक पहुंचाता है।

वेस्ली एवं मैक्लीन का संचार प्रारूप

- गेटकीपर विशिष्ट दर्शकों को ध्यान में रखते हुए संदेश का विस्तार करता है या कंटेन्ट में बदलाव कर सकता है। इस प्रकार जन माध्यम में संपादक के रूप में 'गेटकीपर' निर्धारित करता है कि जनता क्या पढ़ती है, क्या सुनती है और क्या देखती है।
- इस प्रकार यह मॉडल केवल 'मास मीडिया' पर लागू होता है।